ये अव्यक्त इशारे

जीवनमुक्त स्थिति का अनुभव करने के लिए बन्धनों से मुक्त बनो

2-12-2023

देह ही सबसे अधिक अपने बन्धन में बांधती है। इस बंधन से मुक्त होने के लिए कर्तव्य का आधार समझ शरीर में आओ, कर्म पूरा होते ही न्यारे हो जाओ। जो इस देह के बंधन से मुक्त हैं वही योगयुक्त हैं। जो जितना योगयुक्त हैं उतना जीवनमुक्त हैं।

In order to experience the stage of liberation-in-life become free from bondage.

It is the body that ties everyone in bondage the most. In order to become free from this bondage, enter the body with the awareness of your duty, and as soon as you finish your actions, become detached. Those who are free from the bondage of their body are yogyukt, and to the extent that you are yogyukt, you are liberated-in-life.